ALIF LAAM MEEM
A PUBLICATION OF
MS RESEARCH FOUNDATION

हिंदी सीखो

पाठमाला

TERM - 2

एकीकृत मूल्य आधारित पाठ्यक्रम
MFERD
मिल्लत फ़ाउंडेशन
फ़ॉर एजूकेशन रिसर्च एंड डेवलपमेंट

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 के परिच्छेद

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा २००५ का संग्रहित विश्लेषण

यह एक तथ्य है कि शिक्षा प्राप्ति के जो तरीक़े अपनाए गए हैं वे छात्रों एवं माता-पिता पर बोझ बनते जा रहे हैं। इस लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा २००५ ने पाँच मार्गदर्शक नियमों का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

(i) शिक्षा को पाठशाला के बाहर की दुनिया से जोड़ना ।
(ii) सीखते समय रटने की विधि के हटाने को सुनिश्चित बनाना।
(iii) पाठ्य पुस्तकों के अतिरिक्त पाठ्यक्रम की समृद्धि
(iv) परीक्षा को लचकदार बनाना और कक्षा को जीवन से जोड़ना
(v) संवेदना पूर्ण पोषण एवं चिन्ताशील लोकतंत्र की सुरक्षा के लिए पहचान बनाना।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा २००५ शिक्षात्मक दृष्टि से।

एक बहुसांस्कृतिक समाज को शिक्षा, मूल्य, मानवता सहनशीलता तथा शांति को बढ़ावा देने योग्य होना चाहिए। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा के भीतर एक ऐसा ढांचा तत्पर किया गया है जो अध्यापकों और पाठशालाओं के अनुभव को प्रयोग में लाते हुए छात्रों की सोच के अनुरूप हो।

इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए पाठ्यक्रम अनुभव के आधार पर तैयार होना चाहिए। परन्तु इस के मुख्य प्रश्न कुछ इस प्रकार हैं।

(i) क्या पाठशाला शिक्षात्मक उद्देश्य को वांछित रूप से पूरा करने का प्रयास कर रहा है?
(ii) शिक्षात्मक उद्देश्य की प्राप्ति हेतु क्या अवलोकन किया जाना चाहिए।
(iii) इन शिक्षात्मक अवलोकनों को भाववाहक ढंग से किस प्रकार संगठित बनाया जा सकता है?
(iv) वांछित शिक्षात्मक उद्देश्य के समापन को किस प्रकार सुनिश्चित बनाया जाए?

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूप रेखा २००५ के शिक्षात्मक मार्गदर्शक नियम

बढ़ती आयु के साथ-साथ बालक अपने वातावरण से प्राकृतिक रूप से भिन्न कौशल प्राप्त कर लेते हैं। इस के अतिरिक्त वे अपने आस-पास के वातावरण और जीवन का भी अनुसरण करते हैं। जब वे कक्षा में प्रवेश करते हैं तो उन के प्रश्न पाठ्यक्रम को स्थिर और अधिक रचनात्मक बना सकते हैं। ऐसे सुधार स्वीकृत पाठ्यक्रम नियमों के चलन में सहायक होते हैं जो ज्ञात से अज्ञात, तथ्य से कल्पना तथा क्षेत्रीय से वैश्विक की ओर ले जाते हैं।

एम एफ़ ई आर डी की पुस्तकें राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूप रेखा के मार्गदर्शक नियमों पर तैयार की गई हैं। हम चाहते हैं कि NCF की ओर से बनाए गए शिक्षात्मक उद्देश्य के कार्यान्वयन में न केवल हमारे छात्र अपनी पूर्ण भूमिका निभाएँ बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में ईमानदार तथा उत्तरदायी नागरिक बनें । हम गंभीरता एवं विश्वास के साथ इस पाठ्यक्रम पर चले तो छात्रों का व्यक्तित्व निखरेगा जो आगे चल कर दूसरों के लिए सर्वश्रेष्ठ मार्गदर्शन सिद्ध होगा।

एम.एफ़.ई.आर.डी के दृष्टिकोण को जानने हेतु कृपया आप पुस्तक के पिछले पृष्ठ का अध्ययन करें।

परिचय

मिल्लत फ़ाउंडेशन फॉर एजूकेशन रिसर्च एंड डेवलपमेंट एक संगठन है जो प्रसार, समन्वय, सहयोग, सहकारिता एवं मुस्लिम शैक्षिक संस्थाओं को एक सार्वजनिक मंच प्रदान करने हेतु स्थापित किया गया है। इस प्रकार इस्लामी संविधान की सीमाओं में रहते हुए शैक्षिक मैदान में व्यक्तिगत एवं संस्थाओं द्वारा उत्कृष्टता प्राप्त करना है।

एम.एफ.ई.आर.डी का उद्देश्य शोध एवं विकास के माध्यम से भिन्न प्रकार की ऐसी चुनौतियों को संबोधित करना एवं उनका समाधान खोजना है जिनका शैक्षिक संगठन सामना कर रहे हैं। इस का एक प्रमुख कार्यक्रम पाठशाला तथा विद्यालय के लिए मूल्य पर आधारित पाठ्यक्रम तत्पर करना है जो भविष्य की पीढ़ी को विशिष्टता के लिए तैयार कर सके।

पाठ्यक्रम सीखने एवं अनुभव करने हेतु जिस के माध्यम से छात्र शिक्षाविदों, गतिविधियों, सीखने के वातावरण, मूल्यांकन, पारस्परिक वार्तालाप जैसे समूह कार्य छात्र अध्यापकों के साथ पाठशाला में प्रवेश के पश्चात से बाहर आने तक करता है। कई वर्ष बच्चे के मनोविज्ञान, शिक्षा में इस्लामी परिप्रेक्ष्य एवं भिन्न पाठ्यक्रमों की समीक्षा के पश्चात् एम.एस रिसर्च फ़ाउंडेशन ने मूल्य पर आधारित पाठ्यक्रम बनाया है जो राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचे एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अनुकूल है। यह बच्चों के संपूर्ण विकास, स्वयं की पहचान, समय की आवश्यकता तथा उस को भविष्य का मार्ग-दर्शक बनाने में सहयोग देगा।

निम्नलिखित पर आधारित

- उद्देश्य इस्लाम, मनोविज्ञान, शिक्षा तथा हितैशियों के अनुसार।
- पाठ्य-विवरण आयु तथा सरकारी स्तर के अनुकूल।
- कार्यप्रणाली जो छात्र केंद्रित तथा विषय के उपयुक्त साधन में अध्यापकों का प्रशिक्षण, शिक्षण में सहयोगी सामग्री एवं शिक्षक का मार्ग-दर्शन शामिल है।

- मूल्यांकन - रचनात्मक, योगात्मक, स्वयं, सह-शैक्षिक, व्यवहारवादी एवं दीर्घकालिक।
- गतिविधियाँ - पाठ्यक्रमिक, सह-पाठ्यक्रमिक तथा अतिरिक्त पाठ्यक्रमिक, आयोजन के लिए दिशा निर्देशन के साथ।
- समय बद्धता - तिथिपत्र, दिन-वर्ष की योजना, काम का बोझ, अवधि विभाजन तथा प्रतियोगिताएँ।
- अवलोकन - प्रतिक्रिया एवं अनुसंधान।

सेन्ट्रल अकेडमी फ़ॉर रिसर्च एंड डेवलपमेंट (CARD)

(केन्द्रित प्रशिक्षण शाला विकास एवं शोध खंड) की स्थापना परियोजना बनाने, प्रशिक्षण देने तथा विभिन्न पाठशालाओं के सभी स्तरों पर पाठ्यक्रम के कार्यान्वयन के निरीक्षण हेतु की गई है।

विषय - सूची

क्रम.	पाठ का नाम	पृष्ठ संख्या
7)	व्यंजनों के साथ स्वरों का मेल (बारहखड़ी)	1–10
	अल्लाह (केवल पठन हेतु)	11
8)	आ – (ा) – दैनिक कार्य	12–15
9)	इ –(ि) ई –(ी) – ईद का दिन	16–22
	पवित्र पुस्तक (केवल पठन हेतु)	23–26
10)	उ (ु) ऊ (ू) – सुबह हुई	27–32
11)	ए (े) ऐ (ै)	33–34
	खेलकूद (केवल पठन हेतु)	35–39
12)	ओ (ो) औ (ौ)	40–42
13)	अयोगवाह, अनुस्वार एवं अनुनासिक	43–47
14)	गुरू का आदर	48–56

भाषा की योग्यता और कौशल

क्रम.स.	विषय	सुन्ना बोलना और पढ़ना	लिखित कार्य	गतिविधियाँ	सीख	व्याकरण
7	व्यंजनों के साथ स्वरों का मेल (बारहखड़ी)	स्वर और मात्रा की परिभाषा एवं बोल बोलकर मात्रिक शब्दों का ज्ञान।	व्यंजन अक्षरों को मात्राओं से जोड़कर बारहखड़ी लिखाना।	स्वर और मात्रा को थर्माकोल पर बताना तथा अक्षर और मात्राओं पर बल देना।	शिक्षा तथा ज्ञान कभी व्यर्थ नहीं जाता।	स्वर और मात्रा का ज्ञान।
	अल्लाह	पाठ का आदर्श वाचन कविता को आरोह अवरोह के साथ शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ना।	पंक्तियों का अभ्यास कराना।	अल्लाह के वरदानों के बारे में छात्रों से प्रश्न पूछना।	अल्लाह की नेमतों के बारे में बताना कि पढ़ना लिखना भी अल्लाह की नेमत है।	
8.	आ-ा दैनिक कार्य	छात्रों को आ-ा की मात्रा जोड़ना, विभिन्न शब्दों को बोलना एवं छात्रों को दोहराने का आदेश देना।	आ-ा की मात्रा वाले लघु लघु शब्द और वाक्य बनाकर लिखवाएँ एवं लघु पाठ के प्रश्नोत्तर लिखवाएँ। चित्र पहचानकर विभिन्न शब्द लिखवाएँ।	अवलोकन, आसपास के चीज़ों को देखकर चित्र को पहचानना विभिन्न शब्द और वाक्य बनाना एवं लघु पाठ समझाना।	समय एक अमूल्य रत्न है।	मात्राओं का ज्ञान कराना। क्रियाकलाप
9.	इ-(ि) ई-(ी) मात्रा वाले शब्द। ईद का दिन	इ-ई की मात्रा वाले विभिन्न शब्द शुद्ध उच्चारण में बोलकर अभ्यास कराएँ एवं दोनों में अन्तर बताएँ।	इ-ई की मात्रा वाले विभिन्न शब्द, वाक्य एवं लघु पाठ के प्रश्नोत्तर लिखवाएँ। चित्र को पहचानकर शब्द बनाने का अभ्यास कराएँ।	दोनों मात्राओं से संबंधित विभिन्न शब्दों को आत्मसात कराएँ।	ईद की महत्ता बताएँ। इस्लाम में दो ईदें हैं।	इ-ई की मात्रा का ज्ञान एवं अंतर समझाएँ। क्रियाकलाप
	पवित्र पुस्तक (केवल पठन हेतु)	पवित्र पुस्तक कुरआन शरीफ़ पढ़ने की ताकीद करना उसकी महत्ता बताना। (केवल पठन हेतु)	प्रश्नोत्तर मौखिक रूप पढ़वाना।	कुरआन शरीफ़ की विशेषता एवं उसकी महत्ता तथा सही पढ़ने का आदेश देना।	कुरआन शरीफ़ पढ़ने एवं सीखने की महत्ता पर बल एवं अरबी भाषा की सुन्दरता पर प्रकाश डालना।	क्रियाकलाप

10.	उ-(ु)ऊ-(ू) सुबह हुई	उ-ऊ मात्रा वाले शब्द शुद्ध उच्चारण में ऊँचे स्वर में बोलकर अभ्यास कराना।	दोनों मात्राओं वाले विभिन्न शब्द, वाक्य एवं लघु पाठ के प्रश्नोत्तर लिखाना।	अवलोकन, उ ऊ की मात्राओं का प्रयोग करते हुए विभिन्न शब्दों का ज्ञान कराना।	उ-ऊ की मात्रा का ज्ञान एवं अन्तर समझाना,वातावरण को स्वच्छ बनाने पर बल देना।	उ-ऊ की मात्राओं का ज्ञान कराना।
11.	ए-े ऐ-ै मात्रा वाले शब्द।	छात्रों से ए-े और ऐ-ै की मात्रा का चित्रों द्वारा विभिन्न शब्द बनवाना एवं उन्हें शुद्ध उच्चारण में ऊँचे स्वर में बोलकर अभ्यास कराना।	े ै की मात्रा वाले शब्द लिखवाएँ।	आस पास के शब्दों और चित्रों को दिखाना और ध्वनि पर बल देना।	मेहमान का आदर और उसकी सेवा के प्रति रूचि उत्पन्न करना।	ए-े ऐ-ै मात्राओं का ज्ञान एवं रिक्त स्थानों की पूर्ति कराना। क्रियाकलाप
	खेल कूद (केवल पठन हेतु)	पाठ का आदर्श वाचन शुद्ध उच्चारण में करना पाठ के कठिन शब्दों का छोटे छोटे सरल वाक्यों द्वारा अर्थ बताना एवं प्यारे नबी के संबंध में पूर्ण रूप से समझाना। खेलों के संबंध में विस्तार पूर्वक समझाना। (केवल पठन हेतु)	प्रश्नोत्तर को मौखिक रूप से पढ़वाना।	हमारे नबी के जीवन से संबंधित घटनाओं को सरलता से समझाना नबी के प्रति छात्रों में प्रेम व आदर भरना। विभिन्नि खेलों का ज्ञान एवं जीवन में खेल की महत्ता पर बल देना।	बच्चों को बताना कि नबी से प्यार करने पर अल्लाह कितना प्रसन्न होता है। मानसिक एवं शारीरिक शक्ति के विकास तथा खेल कूद से शरीर में शक्ति आती है जैसी बातों पर प्रकाश डालना।	विराम चिह्न द्वारा पढ़वाना। सप्ताह के दिन क्रियाकलाप आओं गिंती सीखें
12.	ओ-ो औ-ौ	दोनों मात्राओं को अक्षर से जोड़कर शब्द बनाना, चित्र को देखकर शब्द पहचानने की क्षमता जगाना।	ओ-औ की मात्राओं को जोड़कर शब्द लिखाना।	मात्राओं से विभिन्न शब्दों का ज्ञान कराना तथा लिपि और ध्वनि पर बल देना।	धरती की सुंदरता एवं ख़ुदा के वरदानों के प्रति बताना।	नये शब्द बनाना। क्रियाकलाप
13.	अं - अः (अनुस्वार) अँ (अनुनासिक)	इन मात्राओं का प्रयोग कर शब्द बनाना चित्र देखकर बोलने का अभ्यास कराना। अं - अँ वाले शब्दों के उच्चारण में अन्तर बताना।	अं - अँ अधिक से अधिक शब्दों का अभ्यास कराना।	अं-अँ के अनेक विभिन्न शब्द चित्रों द्वारा समाझाना एवं दोनों के अन्तर को समझाना।	अं-अँ का ज्ञान	अं-अँ का ज्ञान कराना। क्रियाकलाप
14.	गुरू का आदर	पाठ का आदर्श वाचन शुद्ध उच्चारण में करना, कठिन शब्दों का अर्थ वाक्यों के द्वारा समझाना।	पाठ से संबंधित कठिन शब्दों के अर्थ लिखवाएँ एवं प्रश्नोत्रर लिखवाएँ।	इस्लामिक कहानियों द्वारा अध्यापक की महत्ता और आदर समझाना।	बच्चों को बताना कि अध्यापक के आदर और सेवा से ज्ञान प्राप्त होता है।	रिक्त स्थानों की पूर्ति एवं वचन बदलो। क्रियाकलाप

7 व्यंजनों के साथ स्वरों का मेल

(बारहखड़ी)

स्वर	मात्रा	व्यंजन के साथ जोड़ना
आ	ा	का
इ	ि	कि
ई	ी	की
उ	ु	कु
ऊ	ू	कू
ऋ	ृ	कृ
ए	े	के
ऐ	ै	कै

ओ	ो	को
औ	ौ	कौ
अं	ं	कं
अः	ः	कः

क अक्षर को मात्राएँ लगने पर इस प्रकार के शब्द बनते हैं।

का - काम	के - केला
कि - किताब	कै - कैसा
की - कील	को - कोयल
कु - कुछ	कौ - कौआ
कू - चाकू	कं - कंघा
कृ - कृषक	कः - कः

बारहखड़ी

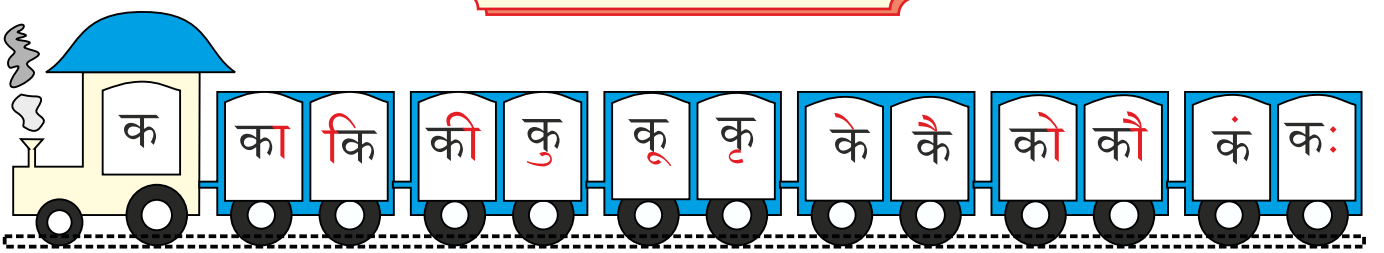

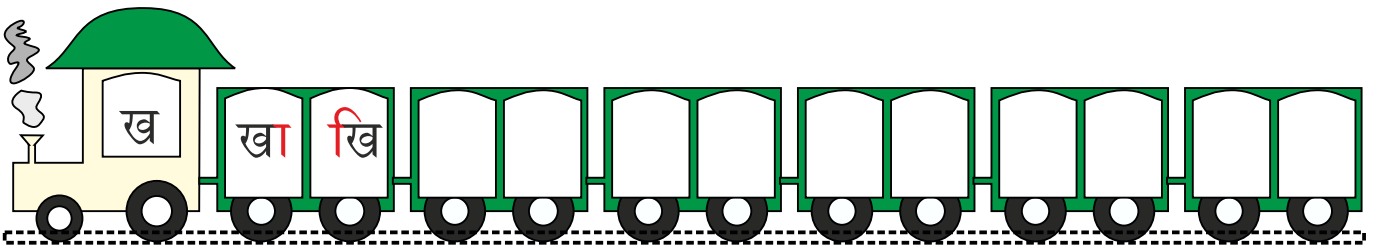

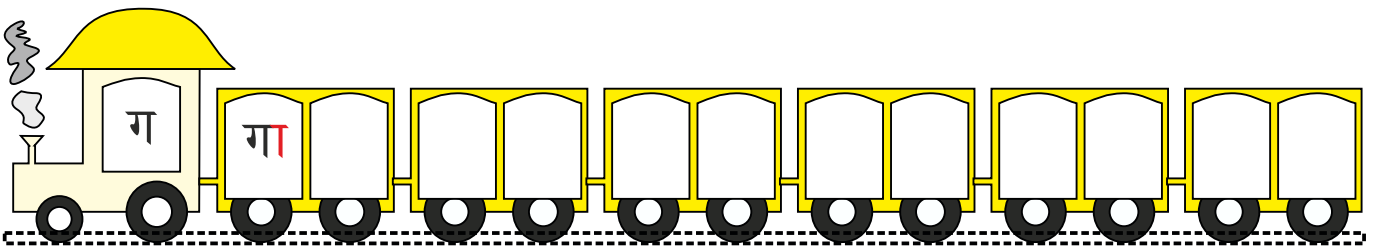

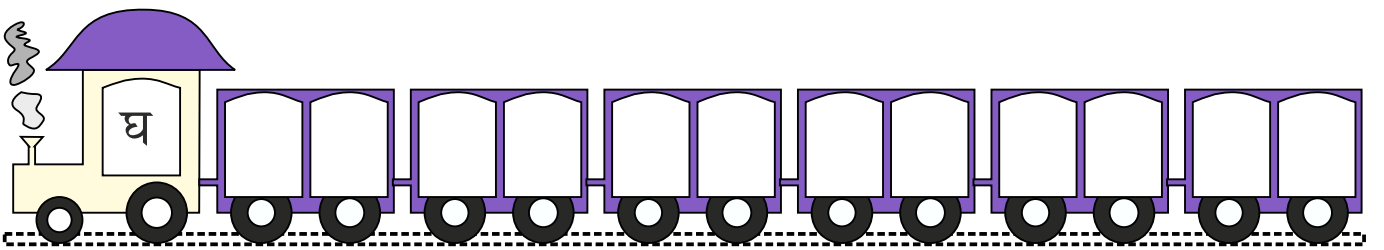

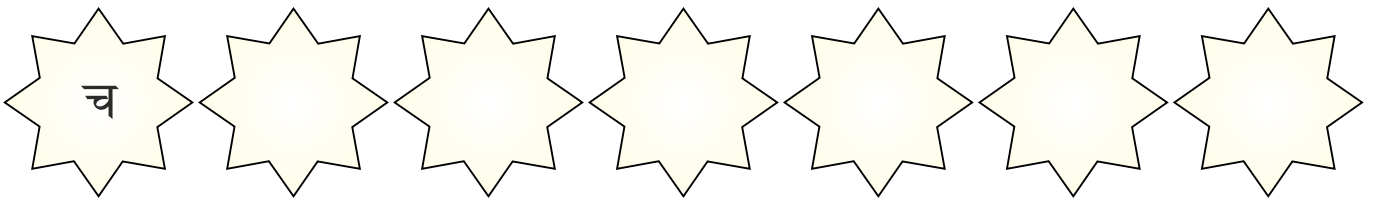

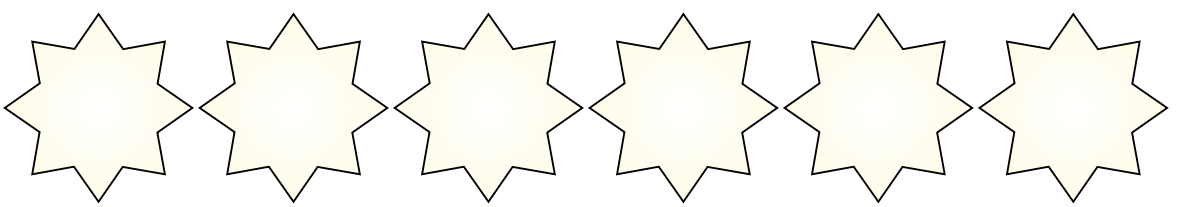

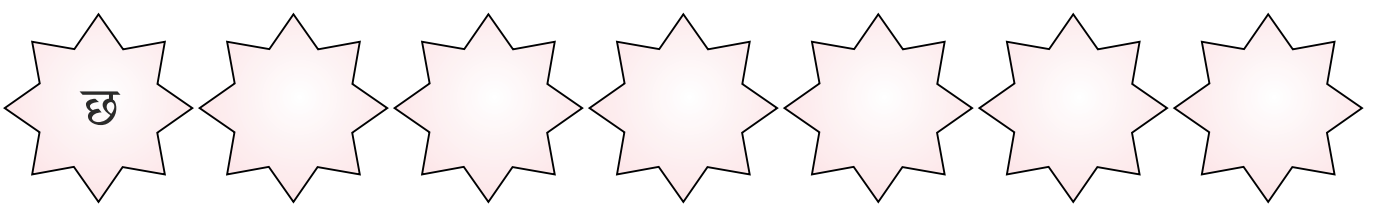

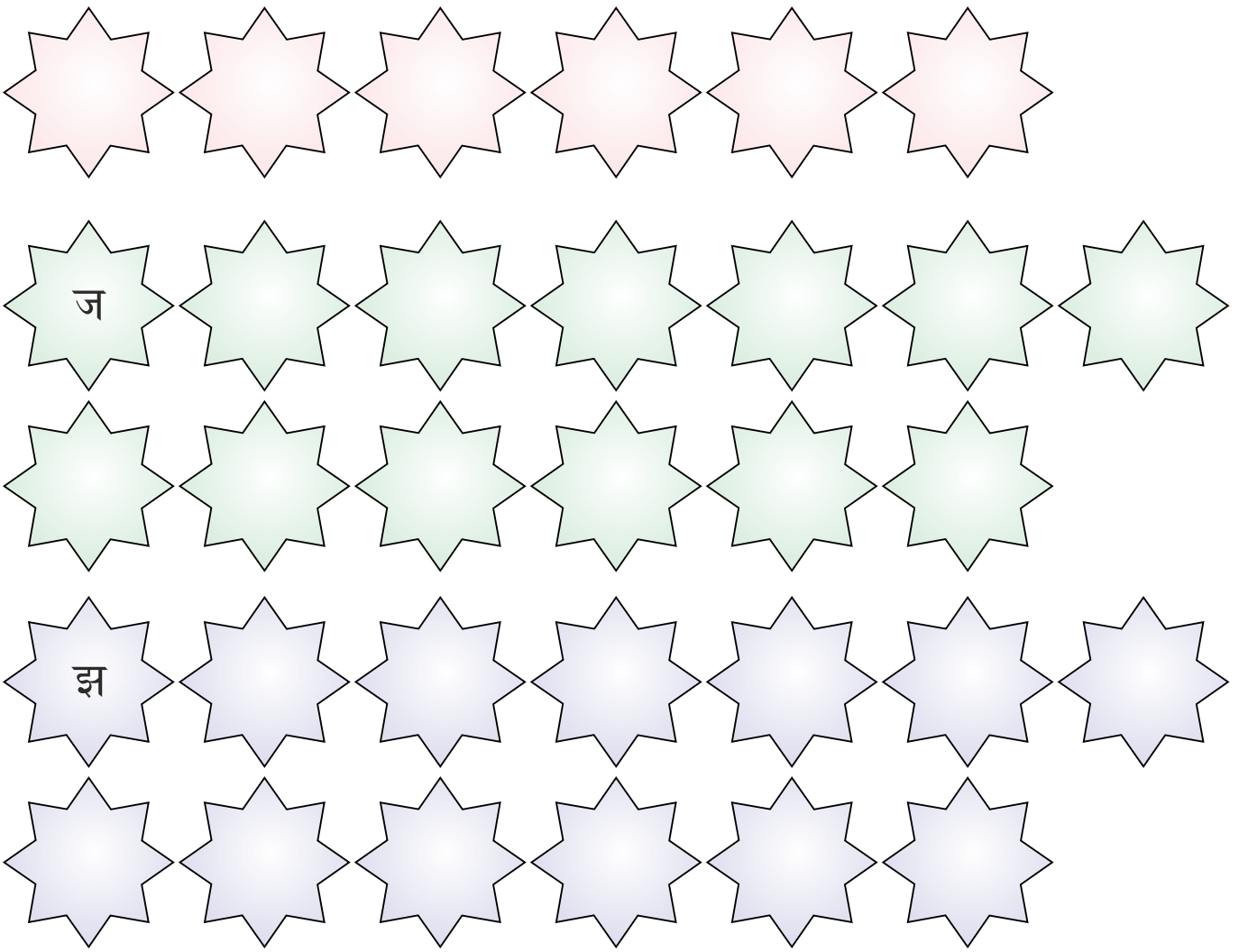
ज
झ

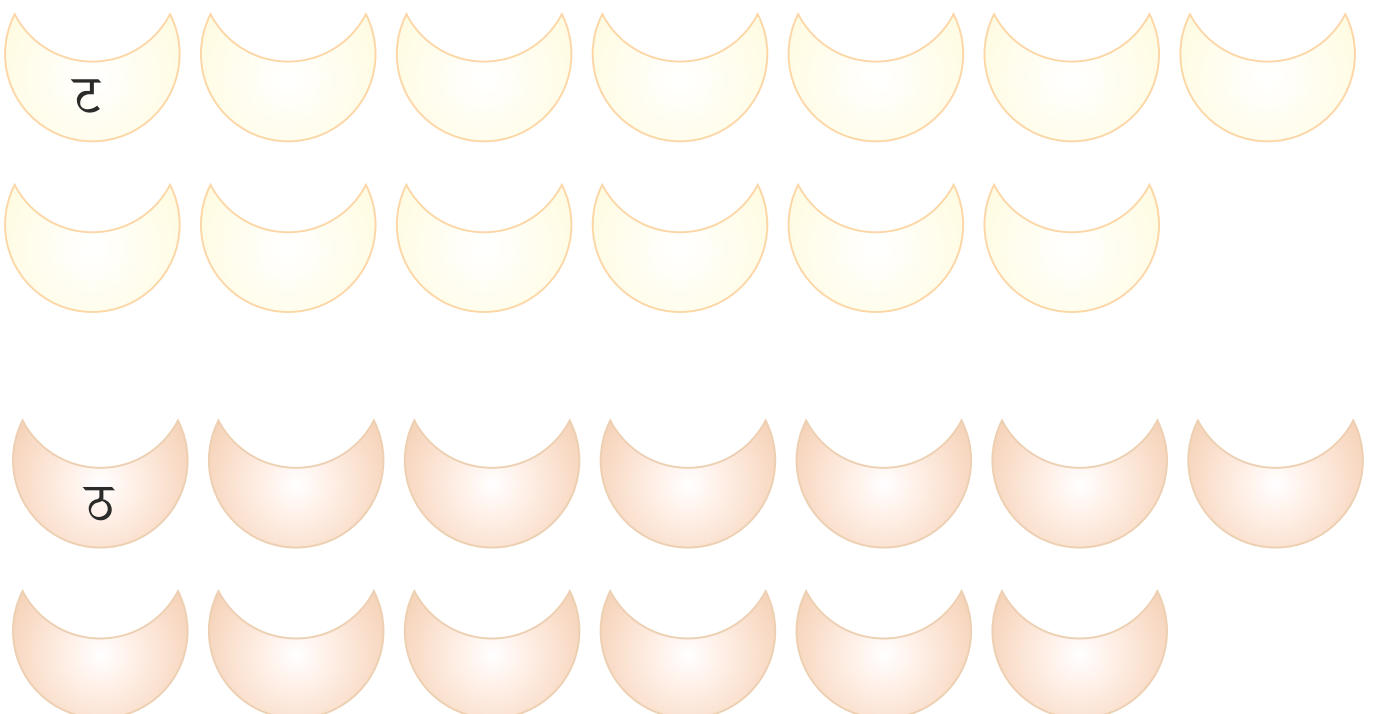
ट
ठ

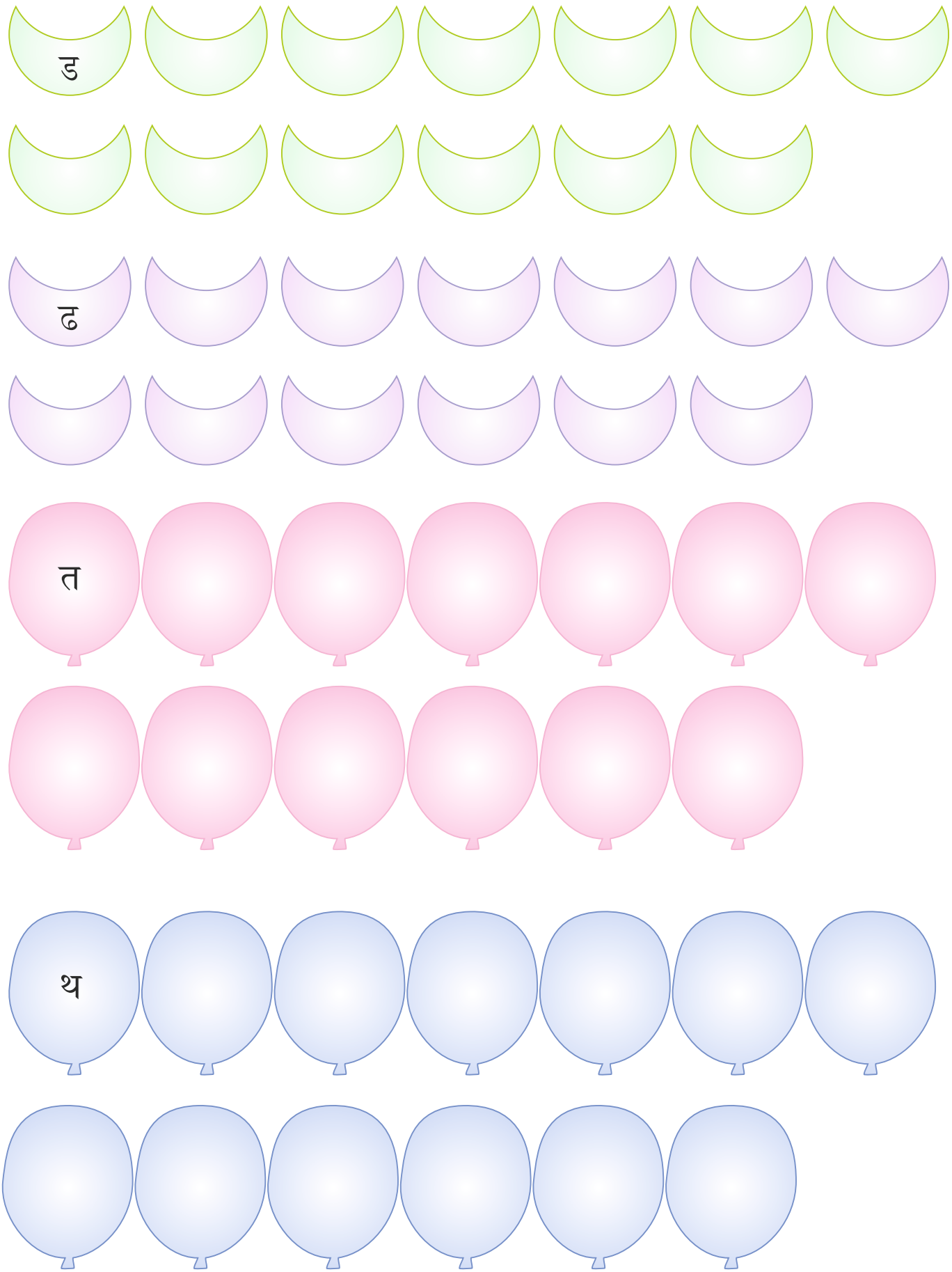
ड
ढ
त
थ

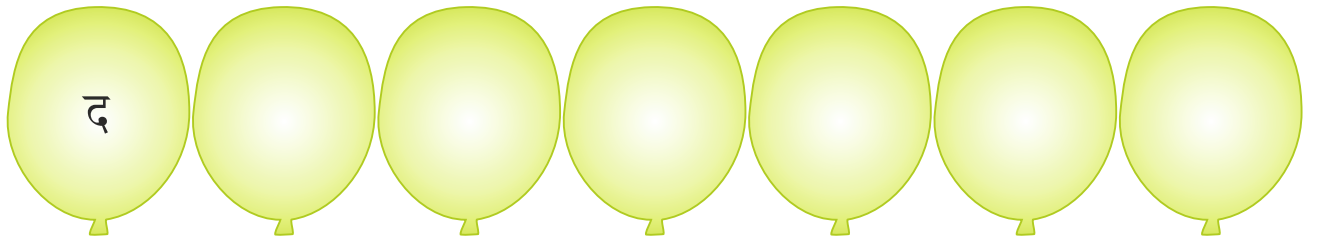

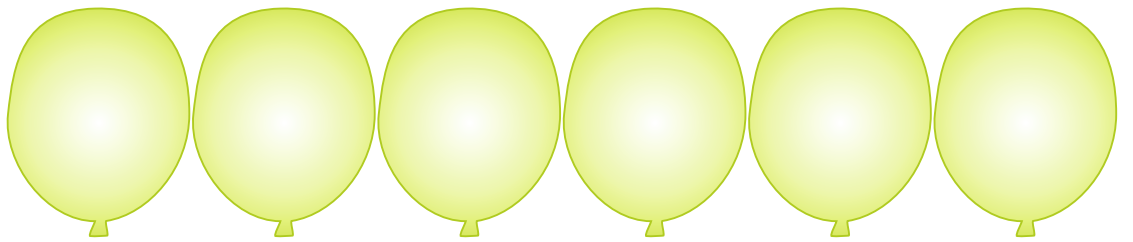

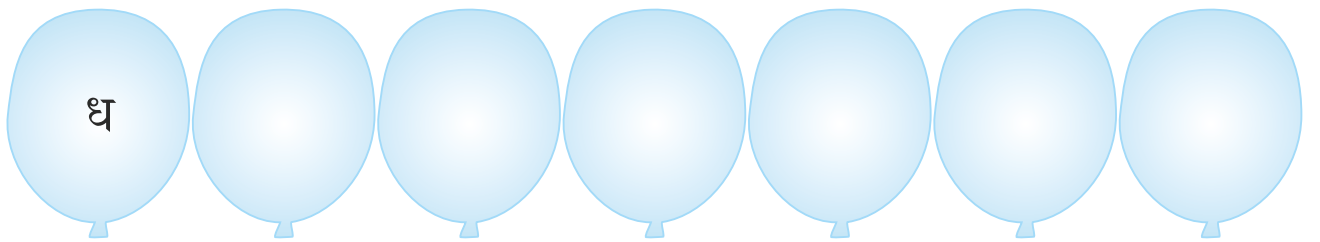

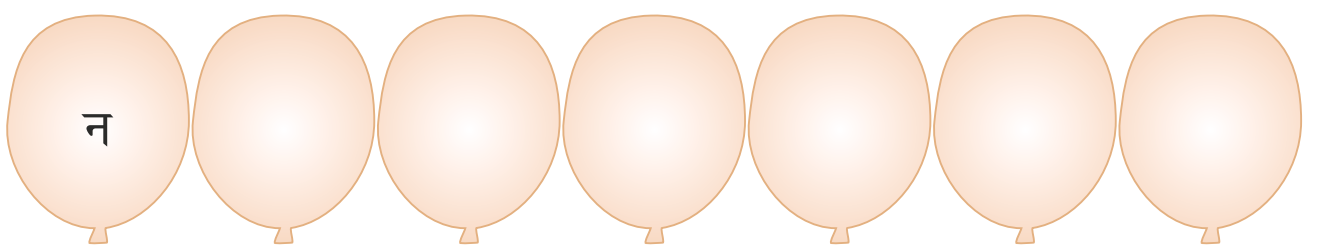

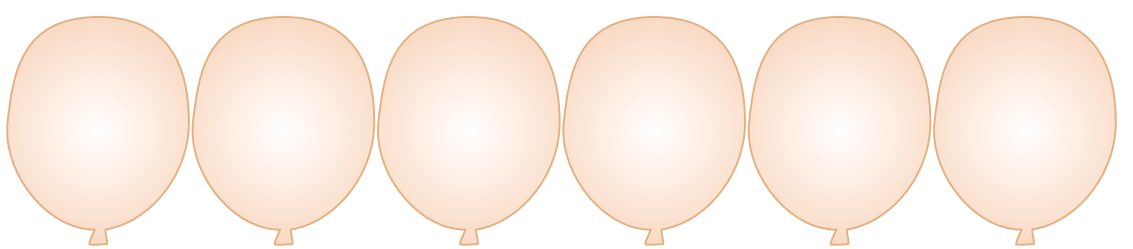

इन अक्षरों की मात्राएँ लिखिए।